vinetur

पहली छमाही में मेक्सिको के टकीला निर्यात का 81.13% अमेरिका ने खरीदा

विदेश भेजे गए 214.4 करोड़ लीटर टकीला में से लगभग 174 करोड़ लीटर अमेरिका पहुंचे, जिससे अमेरिकी मांग में बदलाव के प्रति उत्पादकों की निर्भरता उजागर होती है

गुरुवार, 12 नवंबर 2026



साल की पहली छमाही में मेक्सिको से निर्यात किए गए टकीला के हर पांच लीटर में से चार से अधिक अमेरिका पहुंचे। इससे जाहिर होता है कि उद्योग अब भी एक ही विदेशी बाजार पर काफी हद तक निर्भर है।

Food News Latam ने बुधवार, 11 नवंबर को बताया कि जनवरी से जून के बीच मेक्सिको के टकीला निर्यात का 81.13% अमेरिका भेजा गया। Tequila Regulatory Council, जिसे स्पेनिश में CRT के नाम से जाना जाता है, के आंकड़ों के हवाले से प्रकाशन ने बताया कि इस अवधि में निर्यात किए गए 214.4 मिलियन लीटर में से लगभग 174 मिलियन लीटर वहीं बेचे गए।

यह निर्भरता इसलिए खास तौर पर ध्यान खींचती है क्योंकि टकीला मेक्सिको के सबसे प्रसिद्ध निर्यात उत्पादों में से एक है

और सबसे कड़े संरक्षण वाले पेयों में भी शामिल है। मूल पदनाम के तहत टकीला केवल मेक्सिको के अधिकृत क्षेत्रों में और सिर्फ ब्लू एगेव, Tequilana Weber से बनाया जा सकता है। इसका मतलब है कि अमेरिका में मांग घटने या सबसे बड़े बाजार में व्यापार की स्थितियां बदलने पर उत्पादकों को जोखिम उठाना पड़ सकता है।

इसी आंकड़ा-समूह के अनुसार, साल के पहले छह महीनों में टकीला का उत्पादन 302.1 मिलियन लीटर रहा, जो एक साल पहले की इसी अवधि से 1.7% कम था। हालांकि, एगेव की खपत 3.3% बढ़कर 11.7 लाख मीट्रिक टन पहुंच गई। उत्पादन में गिरावट के बावजूद यह पूरे उद्योग में कच्चे माल की लगातार मांग को दर्शाता है।

कई वर्षों से अमेरिका टकीला के निर्यात का सबसे बड़ा बाजार रहा है, लेकिन ताजा आंकड़े दिखाते हैं कि यह निर्भरता कितनी अधिक है। प्रीमियम स्पिरिट्स के विकास में अमेरिकी बाजार की अहम भूमिका रही है। टकीला को भी इससे फायदा हुआ है—बेहतर गुणवत्ता वाले उत्पादों, कॉकटेल में इसके बढ़ते इस्तेमाल, मशहूर हस्तियों से जुड़े ब्रांडों और बहुराष्ट्रीय पेय कंपनियों के निवेश के जरिए। इन कारकों ने टकीला को उसके पारंपरिक उपभोक्ता आधार से आगे बढ़ाया और देश भर के बार, रेस्तरां तथा खुदरा दुकानों में इसकी मौजूदगी बढ़ाई।

यही निर्भरता मेक्सिको के उत्पादकों और आपूर्तिकर्ताओं के लिए स्पष्ट जोखिम भी पैदा करती है। अमेरिकी शुल्क नीति, उपभोक्ता खर्च या शराब की मांग में किसी भी बदलाव का असर डिस्टिलरियों, एगेव उत्पादकों और पैकेजिंग कंपनियों के निर्यात, कीमतों और मुनाफे पर तेजी से पड़ सकता है। उद्योग की चिंताओं में संयुक्त राज्य-मेक्सिको-कनाडा समझौते (USMCA) की समीक्षा के साथ-साथ अमेरिका में शराब की खपत की वृद्धि धीमी पड़ने के संकेत और कई वर्षों के तेज विस्तार के बाद वितरकों की ओर से भंडार में किए जा रहे समायोजन भी शामिल हैं।

उद्योग के अधिकारी भौगोलिक स्तर पर बाजारों में विविधता लाने की मांग कर रहे हैं। Food News Latam के अनुसार, CRT के अध्यक्ष Aurelio López Rocha ने कहा है कि अन्य क्षेत्रों में बिक्री बढ़ने के साथ अमेरिका को जाने वाले निर्यात का हिस्सा समय के साथ घटना चाहिए। यूरोप प्रमुख लक्षित क्षेत्रों में से एक है ; ब्रिटेन, स्पेन, फ्रांस और इटली पहले से ही बड़े खरीदारों में शामिल हैं। लैटिन अमेरिका में शीर्ष 10 गंतव्यों में केवल कोलंबिया का उल्लेख है, जबकि ब्राजील को भविष्य में वृद्धि के लिए प्राथमिकता वाला बाजार माना गया है। एशिया को भी विस्तार के अवसर के रूप में देखा जा रहा है।

हालांकि, अमेरिका से आगे नए बाजारों में विस्तार की प्रक्रिया धीमी और महंगी होने की संभावना है। उत्पादकों को नए वितरण नेटवर्क, अधिक प्रचार, स्थानीय पसंद के अनुरूप उत्पादों की श्रृंखला और कुछ बाजारों में ऊंचे आयात शुल्क से राहत की जरूरत होगी। Food News Latam के अनुसार, मेक्सिको के National Chamber of the Tequila Industry के अध्यक्ष Roberto Ciprés Cruces ने मैक्सिकन सरकार से भारत में शुल्क घटाने की मांग करने को कहा है। भारत में टकीला पर आयात शुल्क 150% है, जो कुछ राज्यों में बढ़कर 200% तक हो सकता है।

टकीला उद्योग का कृषि परिस्थितियों और मेक्सिको के भीतर विनियमित उत्पादन आधार से भी गहरा संबंध बना हुआ है। CRT ने 24 जुलाई के एक बयान में कहा कि उसके पास 229 अधिकृत उत्पादक और उत्पादकों से जुड़े 3,402 ब्रांड हैं। यह एक गैर-लाभकारी मैक्सिकन नागरिक संस्था है, जो टकीला नियमों के अनुपालन का निरीक्षण और प्रमाणन करती है तथा मेक्सिको और विदेशों में मूल पदनाम की रक्षा करती है। टकीला केवल जलिस्को, गुआनाहुआतो, मिचोआकान, नयारित और तमाउलिपास के अधिकृत नगरपालिकाओं में उगाए गए ब्लू एगेव से बनाया जा सकता है।

Food News Latam द्वारा उद्धृत निर्यात आंकड़ों को नवंबर के नए आंकड़ों के रूप में नहीं, बल्कि उद्योग के पुराने आंकड़ों के विश्लेषण के रूप में पेश किया गया था। प्रकाशन ने निर्यात वृद्धि दर का भी उल्लेख किया, जो समान मात्रा के लिए CRT के 24 जुलाई के बयान में दी गई दर से अलग है। समीक्षा की गई सामग्री में इस विसंगति का समाधान नहीं किया गया। प्रकाशित आंकड़ों में यह भी स्पष्ट नहीं है कि निर्यात की मात्रा को अल्कोहल की ताकत के आधार पर मानकीकृत किया गया था या नहीं। अलग-अलग बाजारों में स्पिरिट्स के आंकड़ों की तुलना करते समय यह तकनीकी बात अहम हो सकती है।